जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित एवं दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश और झारखण्ड राज्यों में प्रसारित

(DAVP-CODE No. 120390) भारत सरकार का रजि. नं. 10311/1965

साप्ताहिक

हमारा वतन

देश का अपना अखबार

ہمارا وطن ہفت روزہ

संस्थापित 1965

संस्थापक
स्व. श्री राजेन्द्र कुमार 'अजेय'
स्वतंत्रता सेनानी

संरक्षक
बाबू लाल सैनी

सम्पादक
राम गोपाल सैनी

www.hamarawatan.com FOLLOW US:- Hamarawatan | Hamarawatan65 | Hamarawatan3 | Hamarawatan

वर्ष- 58 | अंक-50 | जयपुर, सोमवार, 26 दिसम्बर, 2022 | वार्षिक शुल्क 200 रुपये (एक प्रति 4 रु.) | पृष्ठ संख्या 4

रुक्षमणी कुमारी ने मुख्यमंत्री को दिए महिलाओं को लेकर 9 सूत्रीय सुझाव

जयपुर (हमारा वतन)। राजस्थान में महिलाओं के हितार्थ मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा शासन सचिवालय में ली गई प्री बजट बैठक में ऑल इंडिया प्रोफेशनल कांग्रेस की प्रदेशाध्यक्ष रूक्षमणी कुमारी ने 9 सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को सुझाव दिए।

नगरपालिका चौमूं से मनोनीत पार्षद राजेश कुमार वर्मा ने बताया कि ऑल इंडिया प्रोफेशनल कांग्रेस की प्रदेशाध्यक्ष रूक्षमणी कुमारी ने इन बिन्दुओं पर सुझाव दिए--

1. **विधवा पेंशन-** वर्तमान में विधवा पेंशन के रूप में दिए जा रहे 500 रुपए को कम बताते हुए इसको कम से कम 3000 रुपए प्रतिमाह पेंशन करने,विधवा पेंशन का सरलीकरण करने की मांग की ।

2. **विधवा महिला की संतान की संपूर्ण शिक्षा एवं प्रोफेशनल शिक्षा को फ्री की जाए** - विधवा महिला की संतान लड़का हो या लड़की की संपूर्ण शिक्षा एवं प्रोफेशनल शिक्षा को फ्री किए जाने का सुझाव दिया ।

3. **महिलाओं को आत्मरक्षार्थ प्रशिक्षण-** महिलाओं को आत्मरक्षार्थ प्रशिक्षण हेतु राज्य सरकार को प्रत्येक सरकारी विद्यालय में एक प्रशिक्षणार्थी लगाकर आत्मरक्षा के गुर सिखाए जाने की मांग की ।

4. **इलेक्ट्रिक स्कूटियों का वितरण** - कालीबाई स्कूटी योजना एवं देवनारायण स्कूटी योजना में दी जाने वाली स्कूटियों में पेट्रोल की जगह इलेक्ट्रिक स्कूटी दी जाए। क्योंकि अध्ययनरत छात्राएं बेरोजगार होने के कारण स्कूटियों में पेट्रोल डलवाने मे आर्थिक रूप से सक्षम नहीं होती है। इन स्कूटियों के स्थान पर इलेक्ट्रिक स्कूटियों का वितरण किया जाए। ताकि घर पर उनको चार्ज कर उनको चलाया जा सके।

5. **छात्राओं की कॉम्पिटिशन एग्जाम की फीस निशुल्क करें** - छात्राओं की कॉम्पिटिशन भर्तियों में ली जाने वाली फीस निःशुल्क या मिनिमम 100 रुपए की जाए। ताकि एक गरीब छात्रा विभिन्न कॉम्पिटिशन एग्जाम में फार्म भर कर प्रतियोगी परीक्षाओं दे सके।

6. **महिला प्रेगनेंसी से लेकर डिलीवरी तक की सभी दवाईयाँ फ्री उपलब्ध हों** - सरकार द्वारा महिला प्रेगनेंसी से लेकर डिलीवरी तक सभी प्रकार की दवाइयां उपलब्ध करवाई जाती है। लेकिन डिलीवरी के समय संपूर्ण दवाई उपलब्ध नहीं होने के कारण 70% दवा बाहर से मंगवाई जाती है । सभी प्रकार की दवाइयां लेबर रूम में उपलब्ध हो और निःशुल्क ही उपलब्ध करवाई जाए।

7. **महिला कॉलेजों में एक छोटी डिस्पेंसरी की स्थापना हो** -महिला कॉलेजों में एक छोटी डिस्पेंसरी की स्थापना की जाए जिसमें सिर्फ महिला स्टाफ ही लगाया जाए।

8. **स्कूटी योजना की लाभार्थी छात्राओं के घर सौर ऊर्जा का पैनल लगाने के लिए अधिकतम अनुदान दिया जाए-** कालीबाई स्कूटी योजना एवं देवनारायण स्कूटी योजना में जिन बालिकाओं को स्कूटी वितरण की जाती है। उन बालिकाओं को स्कूटी के साथ ही घर पर सौर ऊर्जा का पैनल लगाने के लिए अधिकतम अनुदान देकर उनको कनेक्शन जारी किए जाए। ताकि उन छात्राओं को पढ़ने के लिए पर्याप्त बिजली मिल सकेगी एवं स्कूटी चार्ज की टेंशन खत्म होगी।

9. **विधवा,परित्यक्ता,एकल महिलाओं को स्टूडियो अपार्टमेंट में रियायती दरों पर फ्लेट आवंटन कराया जाए-** विधवा, परित्यक्ता,एकल महिलाओं को राज्य सरकार की संस्थाओं द्वारा स्टूडियो अपार्टमेंट में रियायती दरों पर आवंटन कराया जाए,ताकि अपना जीवन स्वाभिमान के साथ जी सके।

इन सभी सुझावों के माध्यम से रुक्षमणी कुमारी ने मुख्यमंत्री को अवगत कराते हुए आगामी बजट में इन्हें लागू करने की मांग की।

होमगार्ड जवान 28 दिसंबर से फिर आंदोलन की राह पर

जयपुर (हमारा वतन)। राजस्थान होमगार्ड कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष झलकन सिंह राठौड़ ने प्रेस वार्ता कर बताया कि होमगार्ड जवान काफी लंबे समय से नियमित रोजगार की मांग करते आ रहे हैं । होमगार्ड जवानों को यदि जयपुर जिले को छोड़ दें तो राजस्थान के अन्य जिलों में वर्ष भर में मात्र 3 से 4 माह ही ड्यूटीयाँ मिल पाती हैं । ऐसी स्थिति में होमगार्ड जवान अपने परिवार का पालन पोषण नहीं कर पा रहे हैं । होमगार्ड जवानों को आवश्यक ड्यूटी के नाम पर बीच-बीच में पाबंद कर बुला लिया जाता है ,जिससे वह अपने स्वरोजगार से भी वंचित हो जाते हैं । यह होमगार्ड जवानों के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है । होमगार्ड जवानों ने राजस्थान के लगभग सभी विधायकों को ज्ञापन सौंपकर अपनी पीड़ा बताई जिसमें से लगभग 90 विधायक मंत्रियों ने मुख्यमंत्री को होमगार्ड रूल्स एक्ट 1962-63 में संशोधन कर नियमितीकरण करने के लिए पत्र लिखकर सिफारिश भी की है, परंतु आज तक होमगार्ड जवानों की पीड़ा पर सरकार ने

ध्यान नहीं दिया । राजस्थान में बजट सत्र 2022 में मुख्यमंत्री ने 12000 होमगार्ड जवानों को कानून व्यवस्था और सरकारी कार्यालयों में लगाने की घोषणा भी की थी पर आज तक वह भी लागू नहीं की गई । सरकार के 4 वर्ष बीत चुके हैं परंतु सरकार ने होमगार्डों के हित में एक भी कदम नहीं उठाया नहीं । ना ही होमगार्ड के मानदेय / वेतन में बढ़ोतरी की, ना ही नहीं पूरा रोजगार दिया, जबकि सत्ता में आने से पूर्व हमसे नियमितीकरण करने का वादा भी किया था । इससे होमगार्ड जवान हतोत्साहित व अपने भविष्य को लेकर निराश हैं । वर्तमान में होमगार्ड जवानों को नजरअंदाज किया जा रहा है ।सरकार हमारी मांगों को विभाग को भेजते हैं और विभाग का जवाब नियमों में प्रावधान नहीं है होता है । जबकि हमारी मांगे नियमों में संशोधन की है जिस पर निर्णय सरकार को लेना होगा । होमगार्ड जवानों ने मुख्यमंत्री को भी ज्ञापन दिया पर होमगार्ड जवानों को कोई संतुष्ट जवाब नहीं मिला । इससे आक्रोशित जवान प्रदेश भर में एकत्रित होकर 28 दिसंबर 2022 से जयपुर शहीद स्मारक पर धरना प्रदर्शन और आंदोलन करेंगे । जल्दी मांगों का निराकरण नहीं किया तो उग्र आंदोलन की भी घोषणा की जाएगी और अबकी बार आर-पार की लड़ाई होगी ।

नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ !!

हमारा वतन समाचार पत्र

की और से सभी देशवासियों को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ !!

राज्य सरकार ने जन घोषणा पत्र को नीतिगत दस्तावेज मानकर विकास के नये आयाम किए स्थापित, राज्य सरकार आमजन हित में सदैव तत्पर व विकास के लिए प्रतिबद्ध, जिला दर्शन पुस्तिका विमोचन, विकास प्रदर्शनी शुभारंभ व स्कूटी वितरण कार्यक्रम संपन्न

जयपुर (हमारा वतन)। राज्य के जनजाति क्षेत्रीय विकास राज्य मंत्री एवं जालोर जिले के प्रभारी मंत्री अर्जुनसिंह बामनिया ने कहा कि सरकार ने जन घोषणा पत्र को नीतिगत दस्तावेज मानते हुए जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से आमजन को लाभान्वित करते हुए विकास के नये आयाम स्थापित किए हैं। जालोर क्लब में राज्य सरकार के 4 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित जिला स्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने जन घोषणा पत्र को सरकारी दस्तावेज मानकर लगभग 78 प्रतिशत कार्यों को जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से पूर्ण कर लिया है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा अंग्रेजी माध्यम विद्यालय खोले जाने का क्रांति लाने वाला कदम बताते हुए कहा कि इससे गरीब व्यक्तियों का अपने बच्चों को अंगेजी शिक्षा दिलवाने का सपना पूर्ण हुआ है। उन्होंने मेधावी छात्राओं को स्कूटी

वितरण करने की योजना की सराहना करते हुए कहा कि इससे नारी सशक्तीकरण को बल मिलेगा। प्रभारी मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा उच्च शिक्षा व तकनीकी शिक्षा आदि के क्षेत्र में गरीब व जरूरतमंद युवा वर्ग करवाने के लिए उच्च शिक्षा का सम्पूर्ण खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन किया जा रहा हैं जिससे गरीब व योग्य व्यक्ति नई ऊँचाई हासिकल कर सकें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कृषक ऊर्जा मित्र योजना से कृषकों को अनुदान दिया जा रहा हैं जिससे किसानों के बिल शून्य राशि के आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा 50 यूनिट तक निःशुल्क बिजली देने के साथ ही प्रत्येक वर्ग को बिजली की दरों में निर्धारित कटौती कर लाभान्वित किया जा रहा हैं। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि इससे वृद्धजन, विशेष योग्यजन, एकल नारी, पालनहार इत्यादि वर्ग को लाभान्वित किया जा रहा हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा चलाई गई जनकल्याणकारी योजनाओं से हर स्तर के व्यक्तियों को लाभ मिला हैं। उन्होंने कहा कि आगामी बजट को युवा, कृषक व महिला वर्ग को समर्पित बताते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा 1 अप्रेल से पात्र वर्गों को घरेलू रसोई सिलेण्डर 500 रूपये में उपलब्ध करवाया जायेगा।

उन्होंने कहा कि राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेल के दौरान छोटे से लेकर बड़ी आयु के व्यक्तियों ने भाग लिया जिससे आपसी भाईचारा व सौहार्द बढ़ने के साथ ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को आगे आने का मौका मिली। कार्यक्रम के दौरान जन अभियोग निराकरण समिति के अध्यक्ष पुखराज पाराशर ने राज्य सरकार के 4 वर्ष पूर्ण होने बधाई देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आमजन के हित में सदैव तत्पर है तथा विकास को लेकर प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने गत 4 वर्षों के दौरान कोरोनाकाल की विषम परिस्थितियों के बावजूद भी जालोर जिले में साथ-साथ पूरे राज्य में विकास के नये आयाम स्थापित किये है। उन्होंने कहा कि जालोर जिले में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में करवाये गये जनकल्याणकारी कार्य सराहनीय है। उन्होंने कहा कि जालोर जिले में विकास के ऐतिहासिक कार्य हुए हैं जिससे प्रत्येक वर्ग को लाभ मिला है। जिला कलक्टर निशांत जैन ने अतिथियों का स्वागत व अभिनंदन करते हुए जिला प्रशासन व जिला सूचना एवं जन सम्पर्क कार्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रमों के तहत मॉडल स्टेट राजस्थान जिला स्तरीय कार्यक्रम, विकास प्रदर्शनी, साहित्य वितरण, जिला दर्शन पुस्तिका विमोचन तथा काली बाई मेधात्री छात्रा स्कूटी वितरण योजना व देवनारायाण स्कूटी वितरण योजना के तहत 107 छात्राओं को स्कूटी वितरण के बारे में जानकारी दी।

खादी प्रदर्शनी में 1 हजार की ख़रीद पर मिल रहा 150 रुपए का हिंग्वास्टिक चूर्ण फ्री

जयपुर (हमारा वतन)। राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ बजाज नगर जयपुर द्वारा संस्था परिसर में संचालित खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी में नवीन हींग ग्राम उद्योग पर अब 1 हजार की ख़रीद पर 150 रुपए का हिंग्वास्टिक चूर्ण फ्री दिया जा रहा है । साथ ही दौ हींग के साथ एक हींग फ्री पहले से ही दी जा रही है । नवीन हींग ग्रामोद्योग के संचालक सत्य प्रकाश साहू ने बताया कि हमारे यहां स्टाल नम्बर 115 पर राजगढ़ की स्पेशल हींग मिलती है । इसके साथ ही ज्योति हिंग्वाष्टक चूर्ण, सौंफ,मुखवास, शहद आंवला, नमकीन आंवला, मसाला आंवला, कैंडी, सुपारी उचित रेट पर उपलब्ध हैं । हमारे चूर्ण पेट

की समस्त बिमारियों को दूर करते हैं। गौरतलब है कि खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ 25 नवंबर को किया गया था जो 13 जनवरी 2023 तक चलेगी ।

माली समाज विकास समिति का सदस्यता अभियान 31 दिसंबर तक

चौमूँ (हमारा वतन)। शहर के रींगस रोड स्थित सैनी समाज सभा भवन माली सैनी समाज तहसील अध्यक्ष दिनेश कुमार सैनी की अध्यक्षता में मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग में माली समाज विकास समिति की पूर्व आमसभा 24 जून 2022 के निर्णय के अनुसार सदस्यता अभियान को चालू करवाने का निर्णय लिया गया और आगामी 31 दिसंबर 2022 तक जो भी माली समाज विकास समिति के सदस्य बनने के इच्छुक व्यक्ति 100 रुपए शुल्क के साथ मंत सदस्यता अभियान में शामिल होकर माली समाज विकास समिति के सदस्य बन सकते हैं। आगामी जनवरी 2023 में माली समाज विकास समिति की नई कार्यकारिणी का गठन होगा। इस मौके पर माली समाज विकास समिति संरक्षक एवं नगरपालिका चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी, राधेश्याम तंवर पूर्व अध्यक्ष,महामंत्री घीसालाल सैनी, कन्हैयालाल सैनी इटावा,रामेश्वर सिंगोदिया, उपाध्यक्ष हीरालाल पांच्या, गैंदीलाल महारकलां, बाबूलाल भभेवा, दीपक सैनी सहित अनेक समाज बंधु उपस्थित रहे।

अगले एक साल तक मिलता रहेगा मुफ्त राशन, 80 करोड़ से अधिक लोगों को होगा लाभ

नई दिल्ली (हमारा वतन)। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत 81.35 करोड़ गरीबों को एक साल तक मुफ्त अनाज देने का फैसला किया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में गरीबों को मुफ्त अनाज बांटने का फैसला किया गया। इसमें यह तय किया गया कि 81.35 करोड़ गरीबों को एक साल तक खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे पड़ने वाले करीब 2 लाख करोड़ रुपये के आर्थिक बोझ को केंद्र सरकार खुद उठाएगी। खाद्य मंत्री पीयूष गोयल ने मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एनएफएसए के तहत गरीबों को मुफ्त में

अनाज मुहैया कराया जाएगा। इसके साथ ही सरकार ने 31 दिसंबर को खत्म होने जा रही प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की अवधि आगे न बढ़ाने का फैसला किया है। इस योजना के तहत सरकार की तरफ से 81.35 करोड़ लाभार्थियों को मुफ्त राशन दिया जाता रहा है। इस योजना के तहत दिया जाने वाला अनाज एनएफएसए के तहत मिलने वाले सब्सिडी-युक्त अनाज से अलग होता है। खाद्य सुरक्षा की गारंटी देने वाले एनएफएसए कानून के तहत सरकार की तरफ से हरेक पात्र व्यक्ति को हर महीने 5 किलोग्राम खाद्यान्न 2-3 रुपये प्रति किलो के भाव पर मुहैया कराया जाता रहा है। वहीं अंत्योदय अन्न योजना में आने वाले परिवारों को हर महीने 35 किलोग्राम अनाज मिलता है। एनएफएस के तहत गरीबों को 3 रुपये प्रति किलो की दर पर चावल और 2 रुपये प्रति किलो की दर पर गेहूं मुहैया कराया जाता है।

पंडित रविंद्र आचार्य ने किया आईपीएस वंदिता राणा का सम्मान

जयपुर (हमारा वतन)। तारा ज्योतिष साधना केंद्र के अध्यक्ष और अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य ने वंदिता राणा (आईपीएस) पुलिस उपायुक्त पश्चिम का सम्मान किया । पंडित रविंद्र आचार्य ने सम्मान स्वरूप पुष्पगुच्छ, श्याम कलम और स्वयं द्वारा लिखित ज्योतिष सार संग्रह पुस्तक भेंट कर कई बातों पर चर्चा की । इस दौरान राहुल दाधीच, शशांक बंसल ,पंडित राकेश शास्त्री आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।

ईटावा भोपजी में सजाई साईं बाबा की मनमोहक झांकी

जयपुर (हमारा वतन)। जयपुर जिले की चौमूं तहसील के ग्राम ईटावा भोपजी स्थित श्री शिरडी साई धाम मंदिर में साई बाबा की मनमोहक झांकी सजाई गई । मंदिर महंत रिटायर्ड कैप्टन पृथ्वी सिंह नाथावत ने बताया कि मंदिर में आने वाले सभी श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं । सर्दी को देखते हुए बाबा को शाल भी ओढाई । बाबा की विशेष झांकी देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे ।

राजस्थान की बेटी प्रिया सिंह ने जीता अंतर्राष्ट्रीय बॉडी-बिल्डिंग चैंपियनशिप में गोल्ड

जयपुर (हमारा वतन)। राजस्थान की पहली महिला बॉडी बिल्डर प्रिया सिंह ने एक बार फिर भारत का नाम रोशन किया है। प्रिया सिंह ने थाईलैंड के पटाया में आयोजित हुई 39वीं अंतर्राष्ट्रीय महिला बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता है। बता दें कि इससे पहले प्रिया सिंह ने तीन बार मिस राजस्थान 2018,19,20 का और एक बार इंटरनेशनल खिताब भी अपने नाम किया। प्रिया ने बताया कि एक महिला को बॉडी बनाने में पुरूष से ज्यादा डाइट और मेहनत लगती है। ऐसे में उनके परिवार ने उनका साथ दिया। जिसकी वजह से वो आज सफल जिम ट्रेनर है। दो बच्चों की मां प्रिया सिंह घर और जिम दोनों में बैलेंस बना कर चलती हैं। जिसमें उनकी बेटी और पति हमेशा उनका सपोर्ट करते हैं। मूल रूप से राजस्थान के बीकानेर की रहने वाली प्रिया सिंह की शादी 8 साल में कर दी गयी थी। प्रिया सिंह ने घर की आर्थिक तंगी को देखते हुए काम करने का फैसला किया। इसके बाद उन्होंने जिम में नौकरी के लिए अप्लाई किया। जहां प्रिया सिंह की पर्सनैलिटी के चलते उनको नौकरी मिल गयी। इसके बाद दूसरो को देख प्रिया ने जिम में ट्रेनिंग ली और राजस्थान की पहली सफल महिला बॉडी बिल्डर बनी। उन्होंने बताया कि जिम की ट्रेनिंग के दौरान ही जाना की बॉडी-बिल्डिंग का कॉम्पिटिशन भी होता है। उस वक्त पता चला कि राजस्थान से कोई महिला बॉडीबिल्डर नहीं है। उस वक्त देखा कि स्पोर्ट्स में महिला प्रतिभागियों को इज्जत की नजर से देखा जा रहा था। बस उसकी वक्त से बॉडी बिल्डर बनने के सफर की शुरुआत कर दी थी।

बॉलीवुड चटकारा

नम्रता शिरोडकर ने महेश बाबू के कहने पर छोड़ी थीं फिल्में, बोलीं- मैंने भी रखी थी एक शर्त

एक्ट्रेस नम्रता शिरोडकर ने जब प्यार किसी से होता है, पुकार, कच्चे धागे, वास्तव जैसी कई फिल्मों में काम किया है। शादी से पहले उन्होंने फिल्मों से काम छोड़ दिया। वह साउथ सुपरस्टार महेश बाबू की वाइफ हैं। 2005 में दोनों ने शादी की थी। अब नम्रता शिरोडकर ने बताया है कि उन्होंने फिल्में छोड़ने का फैसला अपने पति की वजह से लिया था। महेश बाबू को वर्किंग वाइफ नहीं चाहिए थी। नम्रता ने बताया कि अगर वह ऐक्टर न भी होतीं कुछ और कर रही होतीं तो भी महेश इस मामले में क्लीयर थे।

चाहिए थी नॉन वर्किंग वाइफ-नम्रता शिरोडकर मॉडल और एक्टर रह चुकी हैं। 1993 में उन्होंने मिस इंडिया का खिताब जीता था। अब उन्होंने सिलेब्रिटी जर्नलिस्ट प्रेमा को बताया है कि पति महेश बाबू के कहने पर उन्होंने काम करना छोड़ा। नम्रता बताती हैं, महेश बाबू इस बात में बहुत क्लीयर थे कि उन्हें नॉन वर्किंग वाइफ चाहिए। अगर मैं किसी ऑफिस में भी काम कर रही होती तो वह मुझसे काम छोड़ने के लिए कहते। कुछ चीजें थीं जो दोनों ने एक-दूसरे के लिए बदलीं।

महेश बाबू के सामने रखी थी शर्त-नम्रता ने बताया कि शादी से पहले उन्होंने भी महेश बाबू के सामने शर्त रखी थी। वह मुंबई में बड़ी हुई थीं लेकिन वह बड़े बंगले में नहीं रहना चाहती थीं। नम्रता को सहज महसूस हो इसलिए वह उनके साथ अपार्टमेंट में शिफ्ट हुए थे।

'बेशरम रंग' पर अंजलि अरोड़ा का डांस वीडियो वायरल, फैन बोला- 'कच्चा बादाम तो दीपिका पादुकोण को दी टक्कर

अभिनेत्री अंजलि अरोड़ा के फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर आग लगाते हैं और इन दिनों शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की फिल्म पठान का गाना बेशरम रंग काफी ट्रेंड हो रहा है। ऐसे में अब अंजलि अरोड़ा ने इस गाने पर डांस वीडियो शेयर किया है। वीडियो में अंजलि काफी ग्लैमरस दिख रही हैं,वहीं उनके डांस मूव्स भी दीपिका की तरह ही कहर बरपा रहे हैं। कई फैन्स का कहना है कि कच्चा बादाम के बाद अब अंजलि अरोड़ा का कोई बेस्ट वीडियो सामने आया है।

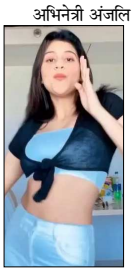

कैसा है अंजलि अरोड़ा का वीडियो-अंजलि अरोड़ा का बेशरम रंग पर डांस काफी सिजलिंग है। अभी तक जहां बाकी एक्ट्रेस ने अधिकतर उनके डांस वीडियोज में सिर्फ दीपिका पादुकोण जैसे एक्सप्रेशन्स कॉपी करने की कोशिश की है, तो वहीं अंजलि ने दीपिका के जैसे ही किलर डांस मूव्स भी दिखाए हैं। अंजलि के बम डांस मूमेंट की भी फैन्स काफी तारीफ कर रहे हैं और कुछ ने तो उस स्टेप को दीपिका से भी अच्छा बताया है। गाने में अंजलि के हाव भाव और डांस मूव्स फैन्स को भा गए हैं।

कई और एक्ट्रेसेस ने भी शेयर किया वीडियो-बता दें कि दीपिका पादुकोण और शाहरुख खान की फिल्म पठान से गाना बेशरम रंग काफी ट्रेंड हुआ है। एक ओर जहां गाना 100 मिलियन से अधिक व्यूज बटोर चुका है तो दूसरी ओर इस पर खूब रील्स भी देखने को मिल रही हैं। बात एक्ट्रेसेस की करें तो कनिका मान, हिना खान, अवनीत कौर और मुनमुन दत्ता सहित कई और इस पर डांस वीडियोज शेयर कर चुकी हैं।

विक्की कौशल ने कहा-कटरीना कैफ बहुत ही शांत और सुलझी हुई लड़की है, वो मुझे रूटेड रखती हैं

विक्की कौशल ने कहा कि वो कटरीना कैफ संग शादी करके बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा कि उनके चेहरे पर ग्लो शादी की वजह से आया है, क्योंकि वो मन से खुश हैं। ये खुशी और सुकून कटरीना की वजह से है। विक्की ने अपनी फिल्मों और करियर के बारे में भी काफी कुछ बताया है।

उन्होंने अपनी फिल्में और करियर के बारे में भी दिल खोलकर बातें कीं-विक्की कौशल आज के दौर के उन समर्थ एक्टर्स में से हैं, जिन्होंने परंपरागत नायक के खांचे को तोड़कर अपनी एक अलहदा राह बनाई है। बहुत कम समय में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुका ये एक्टर राष्ट्रीय पुरस्कार भी अपने नाम करवा चुका है। इन दिनों वे चर्चा में हैं। अपनी नई फिल्म गोविंदा नाम मेरा की वजह से। इस खास बातचीत में उन्होंने अपनी फिल्म, करियर, परिवार और बीवी कटरीना कैफ के बारे में दिल खोल कर बातें की हैं।

आपका चेहरा बता रहा है कि आप अपनी शादी से बहुत खुश हैं। कटरीना पत्नी के रूप में आपको कितना कॉम्प्लिमेंट करती हैं?

बहुत ज्यादा। लोग कहते भी हैं कि यार ज्यादा ही ग्लो नहीं कर रहे हो, मगर वो ग्लो शादी की वजह से आया है, क्योंकि मैं मन से खुश हूं, सुकून है और कटरीना इस खुशी और सुकून की वजह है। वे ही इन चीजों को मेरी जिंदगी में लाई। आप उस वक्त पूरी तरह से सुकून में होते हैं, जब आपको अपना सेंटर मिल जाता और वो केंद्र मेरे लिए कटरीना है। अब मुझे घर लौटने की एक एक्साइटमेंट होती है। जब भी किसी दुविधा में होता हूं, तो पता होता है कि ये इंसान आपको खुश करने के लिए बातें नहीं करेगा, वो आपको बताएगा कि ये सही और ये गलत है और वो इंसान मेरी जिंदगी में कटरीना है। कटरीना आम तौर पर भी बहुत ही शांत और सुलझी हुई लड़की है। उनकी भी एक जर्नी रही है। उनकी अपब्रिंगिंग भी मिडिल क्लास ही रही है, तो वो कहीं ना कहीं वो आपको रूटेड रखता है।

कच्चा दूध पीना सेहत के लिए अच्छा है बुरा? एक्सपर्ट दे रहीं हैं दूध और पाचन से जुड़े सवालों का जवाब

दूध को संपूर्ण आहार कहा जाता है। इसमें बहुत सारे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इसके बावजूद कुछ लोगों को यह हजम नहीं होता। जानिए क्या हो सकता है इसका कारण। ज्यादातर लोगों के मन मे कच्चे और उबले हुए दूध को लेकर सवाल रहता है कि दूध को किस तरह पीना ज्यादा फायदेमंद रहेगा। कुछ लोग कच्चे दूध को पीने की सलाह देते हैं, तो कुछ लोग उबले हुए दूध को ज्यादा फायदेमंद बताते हैं। ऐसे तो भ्रमित होना बिल्कुल सामान्य है। पोषक तत्वों से भरपूर दूध के कई फायदे होते हैं, परंतु गलत समय और गलत तरीके से इनका सेवन सेहत पर भारी पर सकता है। इसलिए इनके पोषक तत्वों का लुत्फ उठाने के लिए दूध पीने का सही समय और तरीका मालूम होना जरूरी है। आज हम आपके लिए लाए हैं कच्चे और उबले दूध से जुड़े कुछ जरूरी फैक्ट।भारतीय योगा गुरु, योगा इंस्टीट्यूट की डायरेक्टर और टीवी की जानी-मानी हस्ती डॉक्टर हंसाजी योगेंद्र ने कच्चे दूध और दूध पीने के सही तरीकों के बारे में बताया है। तो चलिए जानते हैं, इसके बारे में विस्तार से।

कच्चे दूध को डाइजेस्ट करना होता है मुश्किल- एक्सपर्ट के अनुसार दूध में कैल्शियम, पोटेशियम और विटामिन डी की भरपूर मात्रा मौजूद होती है। साथ ही यह हैप्पी हॉर्मोन्स को रिलीज करने में मदद करता है। और हेल्दी स्लीप को भी प्रमोट करता है। आयुर्वेद के अनुसार दूध में ऑयली और कूलिंग प्रॉपर्टी पाई जाती हैं। कच्चा दूध सेहत के लिए तो काफी फायदेमंद होता है, परंतु इसे डाइजेस्ट करना मुश्किल है।

दूध के बारे में क्या कहता है आयुर्वेद-ऐसे में आयुर्वेद के अनुसार गाय के दूध को डाइजेस्टिव फ्रेंडली बनाने के लिए पीने से पहले उबालने की सलाह दी जाती है। कच्चे दूध को उबालकर पीने से पाचन क्रिया ठीक तरह से काम करते हुए इसके जरूरी पोषक तत्वों को शरीर के सभी अंगों तक पहुंचाती है।एक्सपर्ट के अनुसार कच्चे दूध में कई गुड बैक्टीरिया मौजूद होते हैं, जैसे कि ई कोली बैक्टीरिया, लिस्टेरिया और सालमोनेला। परंतु इन्हें आप कच्चा नहीं ले सकती। इसलिए दूध को कच्चा पीने से परहेज रखने की सलाह दी जाती है। कच्चा दूध पीने से उल्टी, डायरिया और अन्य प्रकार की इंटेस्टाइनल प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। इसलिए हमेशा उबला हुआ दूध पीना ही बेहतर होगा।यदि आप प्रेगनेंट हैं, तो कच्चे दूध से पूरी तरह परहेज रखने की कोशिश करें। इसके साथ ही बच्चे और बुजुर्ग भी इसका सेवन न करें। वहीं यदि किसी को स्वास्थ्य संबंधी समस्या है या उनका इम्यून सिस्टम कमजोर है, तो कच्चे दूध से पूरी तरह परहेज रखना जरूरी है।

क्या है दूध पीने का सही समय-एक्सपर्ट के अनुसार वयस्कों को रात बेड पर जाने से पहले दूध पीना चाहिए। यह उनके डाइजेशन को संतुलित रखता है। साथ ही उन्हें एक अच्छी नींद लेने में भी मदद मिलती है।बच्चों को सुबह उठकर दूध पीने की सलाह दी जाती है।

एक साथ 18 लोगों को संक्रमित कर सकता है कोविड का BF.7 वैरिएंट

एक साथ 18 लोगों को संक्रमित कर सकता है कोविड का BF.7 वैरिएंट, टेस्ट-ट्रैक-ट्रीट और टीकाकरण की रणनीति आएगी काम ओमिक्रॉन सबवैरिएंट BF.7 के मामले फिर से लगातार सामने आ रहे हैं। क्या है इस सबवैरिएंट के लक्षण और कैसे करें बचाव आइए आपको बताते हैं। कोविड का खतरा एक बार फिर से सामने आ रहा है। कोविड के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं। चीन से रोज कई लोगों के मरने या फिर संक्रमण की चपेट में आने की खबरें आ रही हैं। जिसने और चिंता बढ़ा दी है। जिन लोगों को टीका नहीं लगाया गया है या जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर है जैसे बुजुर्ग और बच्चों को इस संक्रमण का सबसे ज्यादा खतरा है। नए साल के रंग में भंग न हों, इसके लिए जरूरी है वायरस से बचाव की सही रणनीति अपनाना।कोविड का ये नया वैरिएंट ओमिक्रॉन का म्यूटेंट है और सभी कोविड वैरिएंट में सबसे अधिक ट्रांसमिसिबिलिटी में से एक है। रिसर्च के अनुसार इस म्यूटेंट का R0 मान लगभग 10-18.6 है। जिसका अर्थ है कि कोई भी संक्रमित व्यक्ति अपने आसपास के 10-18 लोगों को इससे संक्रमित कर सकता है।

भारत में ओमिक्रॉन सबवैरिएंट BF.7-अब तक ओमिक्रॉन सबवैरिएंट BF.7 के कुल 5 मामले भारत में सामने आ चुके हैं।

धर्म दर्शन

वाराणसी का महाश्मशान : मणिकर्णिका जहां जलती चिताओं के बीच होता है नृत्य

मणिकर्णिका घाट को अंतिम संस्कार के लिए बहुत ही पवित्र माना जाता है। यहां चिता की आग हमेशा जलती रहती है अर्थात यहां हर समय किसी ना किसी का अंतिम संस्कार हो रहा होता है। कहते है भगवान शिव ने इस घाट को वरदान दिया है कि इस घाट पर जिनका अंतिम संस्कार होगा उन्हें असीम अनंत शांति की प्राप्ति होगी।

वैसे तो बनारस के सभी 84 गंगा घाट अपने आप में बहुत महत्वपूर्ण है। सबका अपना एक अलग ही इतिहास है अलग ही महत्ता है सभी की अपनी विशेषतायें है। किसी घाट की सुबह प्रसिद्ध है तो किसी की शाम, किसी गंगा घाट की आरती लोगो को भाती है तो किसी गंगा घाट का स्नान लोगो आनंददायी लगता है। कुछ घाट ऐसे है जहां केवल दाह संस्कार किये जाते है। उन्ही घाटों में से एक है मणिकर्णिका घाट

शिव का वरदान है यह घाट इस घाट को अंतिम संस्कार के लिए बहुत ही पवित्र माना जाता है। यहां चिता की आग हमेशा जलती रहती है अर्थात यहां हर समय किसी ना किसी का अंतिम संस्कार हो रहा होता है। कहते है भगवान शिव ने इस घाट को वरदान दिया है कि इस घाट पर जिनका अंतिम संस्कार होगा उन्हें असीम अनंत शांति की प्राप्ति होगी।

मणिकर्णिका नाम कैसे पडा

इस घाट के नाम के पीछे भी एक पौराणिक कथा प्रचलित है कहते है एक बार माँ पार्वती ने भगवान शिव से काशी भ्रमण की इच्छा व्यक्त की काशी भ्रमण के दौरान शिव जी ने स्नान के लिए एक कुंड खोदा, उस कुंड में स्नान के समय पार्वती जी के कान की बाली का एक मणि टूट कर गिर गया तभी से इस कुंड का नाम मणिकर्णिका पड गया।

जीवन में इन चीजों पर कभी ना करें भरोसा, जान लें गरुड़ पुराण की महत्वपूर्ण बातें

हिन्दू धर्म में गरुड़ पुराण की गणना महत्वपूर्ण वेदों में होती है। इसमें बताया गया है कि सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को कैसा जीवन व्यतीत करना चाहिए। साथ ही गरुड़ पुराण में यह भी बताया गया है मनुष्य को जीवन में किन-किन चीजों से बचना चाहिए। इस महापुराण में कर्म के साथ-साथ भक्ति, ज्ञान, वैराग्य, सदाचार के बारे में बताया गया है। साथ ही इसमें दान, तप और यज्ञ आदि के महत्व और उनके फलों को भी विस्तार से समझाया गया है। गरुड़ पुराण के अनुसार व्यक्ति को अपने कर्मों के अनुसार फल मिलता है। आइए गरुड़ पुराण के इस भाग में जानते हैं कि समस्याओं से दूर रहने के लिए व्यक्ति को किन 2 चीजों पर कभी भरोसा नहीं करना चाहिए।

गरुड़ पुराण के अनुसार इन चीजों पर ना करें भरोसा **आग** आग एक ऐसी चीज है जिसपर कभी भी भरोसा नहीं करना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि आग की एक छोटी चिंगारी से भी पूरा राज्य विनाश के मूंह में जा सकता है। साथ ही इससे जान का खतरा हर समय बना रहता है। इसलिए आग का इस्तेमाल करते समय व्यक्ति को हर समय सतर्कता बरतनी चाहिए और इसका केवल सही उपयोग करना चाहिए।

सांप सांप पर भरोसा करना यानि अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा होता है। क्योंकि कभी न कभी पालतू सांप भी अपने मालिक पर प्रहार कर ही देता है। इसलिए न केवल जंगली सांप जान के लिए खतरा होता है बल्कि सपेरे के पास पड़ा हुआ सांप भी कई लोगों की मृत्यु का कारण बन सकता है।

एम एफ हुसैन को इनसे मिली थी रामयाण की पेंटिंग बनाने की प्रेरणा

बात बीसवीं सदी के 5वें दशक की है। स्थान, हैदराबाद का मोती भवन। दोपहर के भोजन का समय। डॉ. राम मनोहर लोहिया वहां आने वाले थे। समाजवादी कार्यकर्ता बड़े अदब के साथ उनकी प्रतीक्षा में खड़े थे। लोहिया जी का आगमन हुआ। एक लड़का पूरे दृश्य को कलमबंद कर रहा था। काम पूरा कर उसने अपनी चित्रकारी लोहिया जी को दिखाई। अपने झुंझलाए चेहरे, खड़े बाल, चौकन्नी आंखों वाली स्केच को देखकर वह भाव-विभोर हो गए। उन्होंने लड़के को गले लगा लिया, नाम पूछा और उसे दिल्ली बुलाया।

दिल्ली में दोनों की मुलाकात जामा मस्जिद के पास करीम होटल में हुई। नेहरू जी के एक स्केच पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए इस लड़के ने कहा कि मॉडर्न आर्ट का मजेदार पहलू यही है कि देखने वाला इसे अपनी मर्जी के अनुसार ढालता और समझता है। यह बात फटॉग्रफी में संभव नहीं है। लड़के की पीठ थपथपाते हुए लोहिया जी ने कहा, 'टाटा-बिड़ला के ड्राइंग रूम में लटकने वाली तस्वीरों से बाहर निकलो और रामायण पेंट करो क्योंकि आर्ट गैलरी की तस्वीरें लोग पतलून में हाथ डाल कर देखते हैं लेकिन रामायण की तस्वीरों में लोग घुल-मिल जाते हैं।'

लोहिया जी की यह बात लड़के को लग गई। वह वर्षों तक गांव और शहर की रामलीला के पात्रों पर गौर करता रहा। लोहिया जी की मृत्यु के बाद उनकी याद में उस लड़के ने दस वर्षों की मेहनत से मोती भवन को करीब डेढ़ सौ रामायण की पेंटिंग से भर दिया और इसका कोई दाम नहीं लिया। तब वह मकबूल था।

हमारा वतन
खबरों, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए सम्पर्क करें।
Email-
hamarawatan65@gmail.com
9214996258, 7014468512

टिकिट

हमारा वतन साप्ताहिक
HamaraWATANWeekly संस्थापित 1965 ہمارا وطن ہفت روزہ
राष्ट्रीय विचारधारा की सर्वोत्तम अभिव्यक्ति का प्रतीक

क्या ख़ाक़ लिखे कोई, बरगश्ता ज़माना है,
कांटों पै भी चलना है, दामन भी बचाना है।

अति आवश्यक सूचना

पाठकों व विज्ञापनदाताओं से निवेदन है कि जिनका सालाना सदस्यता शुल्क व विज्ञापनों का भुगतान नहीं हो पाया है वे अपना शुल्क 'हमारा वतन के नाम से खाता संख्या 61079058819' एसबीआई (IFSC Code- SBIN0004227) में या 9214996258 पर फोन-पे, पेटीएम, गुगल-पे पर जमा कराकर सूचित करें।

– सम्पादक

पुनीत प्रतिष्ठा में :-

सहमति को मिले संरक्षण

राज्यसभा में केंद्रीय महिला एवं बाल कल्याण मंत्री के जवाब से इतना तो स्पष्ट हुआ है कि सरकार न्यूनतम उम्र कम करने के विकल्प पर विचार नहीं कर रही, यह देखा जाना बाकी है कि कानून में उभरे अंतर्विरोध को दूर करने का कौन सा वैकल्पिक फॉर्म्युला उसके पास है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार जल्द से जल्द उसे सार्वजनिक करेगी ताकि उसके गुण-दोषों पर ठीक से विचार हो सके।केंद्रीय महिला एवं बाल कल्याण मंत्री ने राज्यसभा में बताया है कि सरकार सहमति से शारीरिक संबंध बनाने की न्यूनतम उम्र कम करने के किसी प्रस्ताव पर विचार नहीं कर रही। सरकार के इस रुख की अहमियत इस संदर्भ में है कि पिछले कुछ समय से सहमति से सेक्स के लिए न्यूनतम उम्र में बदलाव की जरूरत कई कोनों से रेखांकित की जा रही थी। हाल ही में देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ ने भी कहा था कि विधायिका को इस पहलू की ओर ध्यान देना चाहिए। इससे पहले एकाधिक हाईकोर्ट ध्यान दिला चुके हैं कि मौजूदा कानूनी प्रावधानों के चलते पॉक्सो यानी प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेंसेज ऐक्ट को उसके शब्दों और भावनाओं के अनुरूप लागू करने में दिक्कत हो रही है। हाल में हुए कई अध्ययनों से भी यह बात सामने आई है कि पॉक्सो के तहत जो मामले दर्ज कराए जा रहे हैं, उनमें से ज्यादातर रोमांटिक रिश्तों के होते हैं जिनके पीछे दोनों पक्षों की सहमति होती है। ऐसी ही एक रिपोर्ट में कहा गया कि ऐसे 'रोमांटिक रिश्तों' के 80 फीसदी से अधिक मामलों में शिकायत लड़की के माता-पिता या रिश्तेदारों की ओर से की गई थी और इनमें से करीब 88 फीसदी मामलों में जांच के दौरान लड़की ने स्पष्ट तौर पर स्वीकार किया कि संबंध सहमति से बनाए गए थे।

राम गोपाल सैनी

पहाड़ की महिलाओं ने अपने पहनावे से बनाई हैं उत्तराखंड की पहचान

उत्तराखंड (हमारा वतन)। आज जहां फैशनिकरण से पूरा समाज अछूता नहीं है वही आज भी चमोली जनपद के सीमांत ब्लाक देवाल का अंतिम गांव बलाड़ की महिलाएं अपनी पूर्वजों के वेशभूषा,रीति रिवाजों व परंपराओं को निभा रहे हैं यही पहनावे व पोशाक की परंपरा क्षेत्र की पहचान बनाई हुई है। पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी कहते हैं कि उत्तराखंड के कई गांव आज भी ऐसे हैं जो अपने पहनावे, पोशाक, रीति रिवाजों व परम्पराओं से अपनी अलग पहचान बनाये हुए हैं जितनी सुंदर इनके वेशभूषा व पहनावे हैं उतने ही सुंदर, खूबसूरत जगह में ये लोग रहते हैं आज इन्हें विकास की मुख्य धारा से जोड़ने की जरुरत हैं और इन खूबसूरत स्थानों, पहनावे की पोशाक को पर्यटन से जोड़ा जाय ताकि ये परम्परा भी बची रहे और इन पिछड़े क्षेत्रों का विकास भी हो सके। मंजू देवी कहती हैं कि ये पिछोड़ा पहनावे की परंपरा हमारे बुजुर्गों की देन हैं इसे हम अपने हर कार्य में पहनते हैं । वही आनन्दी देवी कहती हैं गांव में शादी, नामकरण, देवपूजन जो कार्य होते हैं हम इन्ही वस्त्रों को पहनते हैं यही पहनावे की पोशाक हमारी व क्षेत्र की पहचान है। इस दौरान दिमती देवी, तुलसी देवी, यशोदा देवी, मानुली देवी, बलमा देवी, नरूली देवी, आनुली देवी, अंजना देवी, कमला देवी, गोबिन्दी देवी, पुष्पा देवी, बिमला देवी, देवकी देवी, रेखा देवी आदि लोग मौजूद रहे।

पाइपलाइन से घरेलू गैस सुविधाओं का विस्तार

राज्य सरकार की प्राथमिकता, आरएसजीएल बनाएगी समन्वय - अतिरिक्त मुख्य सचिव

जयपुर । अतिरिक्त मुख्य सचिव, माइंस एवं पेट्रोलियम डॉ. सुबोध अग्रवाल ने कहा है कि शहरों में पाइपलाइन से घरेलू गैस सुविधाओं का विस्तार राज्य सरकार की प्राथमिकता है। ऐसे में राज्य सरकार के संयुक्त उपक्रम राजस्थान स्टेट गैस को अपने कार्यक्षेत्र के साथ ही राज्य में कार्यरत अन्य एजेंसियों से समन्वय बनाते हुए आधारभूत संरचना एवं सीएनजी-पीएनजी कार्य को गति दिलानी होगी। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस व पेट्रोलियम डॉ. सुबोध अग्रवाल गुरुवार को सचिवालय में राजस्थान स्टेट गैस लि. के संचालक मण्डल की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोटा में पीएनजी कनेक्शन कार्य को गति देने के साथ ही नए सीएनजी स्टेशन स्थापित एिक जाए ताकि लोगों को आसानी से सस्ती और बेहतर गैस सेवाएं प्राप्त हो सके। डॉ. अग्रवाल ने आरएसजीएल को नीमराणा व कूकस में भी सीएनजी वितरण व्यवस्था की समीक्षा की और और अधिक कारोबार बढ़ाने की आवश्यकता प्रतिपादित की। आरएसजीएल के प्रबंध निदेशक श्री रणवीर सिंह ने बताया कि आरएसजीएल द्वारा कोटा में जल्दी ही दो सौ नए व्यावसायिक व 9 हजार से अधिक पाइपलाइन से नए घरेलू गैस कनेक्शन जारी करने की तैयारी अंतिम चरण में हैं। उन्होंने बताया कि आरएसजीएल द्वारा शिवपुर और ग्वालियर में भी कार्य किया जा रहा है। संचालक मण्डल की बैठक में गैल गैस के प्रतिनिधि सीजीएम गैल गैस अजय जिंदल ने भी वर्चुअली हिस्सा लिया।

कविता (नवल वर्ष)

नवल वर्ष का आज
नवल प्रभात है आया
खुशियां अनेक है लाया
हर युवक में है नया जोश
हर रग दौड़ता उल्लास
दूर करने अंधियारा
दौड़ रहा उजास
करें सभी प्रतिज्ञा आज
स्नेह और आत्मीयता की
नवल वर्ष का आज
नवल प्रभात है आया
तुम भी करो कुछ नया
नैतिकता के बीज बोओ
भूलकर बीती बातों को
उठना है ऊपर हमको
सच्चाई का पाठ पढें
अपने पथ से ना डिगे
यही प्रण आज करें
नवल वर्ष का आज
नवल प्रभात है आया

डॉ. योगिता जोशी
अनुप्रिया,जयपुर

(गजल) नींद गिरवी है

अब तो आसरा बचा बस
उम्मीद से है
के नींद गिरवी है और उसे
छुड़ाना नींद से है
अब तो वो बातें भी
समझ नहीं आतीं
जिन्हे देखा, सुना,
समझा बहुत नजदीक से है
रंज उससे था मगर अब
ये खुद से है
ये मामला मेरे रूबरू
मेरे तस्दीक से है
कौन अपना था?
और कौन अपना है
ये मशला अब सुलझा
थोड़ा ठीक से है
मैंने बताया है दुनिया को
के तुम ठीक नहीं
तुम्हारा रंज अब तुम्हारे
ही लीक से है
थोड़े बड़े होते तो
आसानी से समेट लेता
मेरे अरमानों के टुकड़े
जरा बारीक से हैं

-सिद्धार्थ
गोरखपुरी

(कविता) अलविदा 2022

आओं अलविदा करें
वर्ष दो हजार बाईस।
कुछ पूरी तो ज़रा
अधूरी रही ख़्वाहिश।

हर्ष उल्लास संग जीवन में
जाने कितनी आयी बाधा।
नव अध्यायों के सृजन हेतु
अनगिनत लक्ष्यों को साधा।

नीरस ज़िन्दगी का हर-एक
पहलू रहा फिर भी आधा।
जीवंतता के लिए सीखा

जीवित रहना सीधा सादा।
आघात इतने सहकर भी

लक्ष्य अर्जन की आजमाइश।
कुछ पूरी तो ज़रा
अधूरी रही ख़्वाहिश।
कर अमल अपनी भूलों पर

नव दिशा निर्देशित करना है।
स्व परिमार्जित कर उत्तरोत्तर
सोपान विकास की चढ़ना है।

पुरातन परिपाटी को फिर से
मौजूद परिवर्तनशील जड़ाना है।
गतिशील रहकर अब प्रतिक्षण
स्वर्णिम भविष्य जो बनाना है।

हो नेक ख़यालात सदा जग में
अन्तर्मन की बस यही नुमाइश।
कुछ पूरी तो ज़रा
अधूरी रही ख़्वाहिश ।

-महेन्द्र सिंह
कटारिया,सीकर

जिला दर्शन पुस्तिका का हुआ विमोचन -156 बेटियों को मिली स्कूटी

जयपुर (नि.सं.)। झुन्झुनूं जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती ममता भूपेश ने कहा कि प्रदेश की सरकार ने चार साल में बेहतरीन कार्य किए है, उन कार्यो एवं विकास को आमजन तक पंहुचाने के लिए जिला प्रशासन एवं सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग की ओर से आयोजित यह जिला स्तरीय प्रदर्शनी मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सरकार ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में चार साल में हर वर्ग के लिए सराहनीय एवं ऐतिहासिक कार्य किए हैं। उन्होंने बताया कि सरकार की योजनाओं से आमजन लाभान्वित हो रहा है। प्रभारी मंत्री शुक्रवार को जिला मुख्यालय के शहीद परमवीर पीरू सिंह रा.उ.मा.वि. के खेल मैदान में राज्य सरकार के कार्यकाल के 4 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में आयोजित जिला स्तरीय समारोह को सम्बोधित कर रहीं थीं।

Mohan Lal Jitarwal
Jaisingh Jitarwal
मोनिका प्रिन्टर्स
थाना मोड़, चौमूँ
WE DESIGN , PRINT & PROMOTE...YOU !
फलैक्स/विनायल ऑफसैट प्रिन्टिंग पोस्टर / पम्पलेट बिल–बुक लेटर हेड
शादी कार्ड सवामणी कार्ड स्क्रीन प्रिन्टिंग विजिटिंग कार्ड आई – कार्ड
हमारे यहाँ प्रिन्टिंग से सम्बन्धित सभी कार्य उचित रेट पर किये जाते है
तथा चुनाव से सम्बन्धित सामग्री उचित रेट पर तैयार की जाती है ।
एक बार सेवा का मोका अवश्य दें
Contact Us: 9785850646, 8946910073, 7610022192
monikaprinters68@gmail.com

RNI No. 10311/1965
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल बाहर, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित , मो. 9214996258, 7014468512
संरक्षक : बाबूलाल सैनी मो: 7296873757
सहायक सम्पादक: राकेश तिवाड़ी
प्रबंध सम्पादक : वली मोहम्मद कुरैशी, मो. 9929610759
सभी प्रकार के वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर शहर होगा